4-4-22

पत्रावली पेश हुई वकील वादी व वकील वादी उप. वकील वादी को तीन बार
नहीं थे वकील वादी व वकील वादी दूसरा के नामान
आवाज लगवाई गयी हाजरी दूसरा के नामान
के उप. नहीं थे अतः वादी का वाद अदम
हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तामील तकमील
के दाखिल दफ्तर हो। [illegible]

Signature Not Verified

Digitally signed by Pooja Meena
Date: 2024.04.29 13:08:37 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner